शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 सितम्बर 2016
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर पर मध्यान्ह भोजन का प्रभाव

कु. रेखा सोलंकी (शोधार्थी)
डॉ. रशीदा कांचवाला (निर्देशक)
गृह विज्ञान
माता जीजाबाई शासकीय कन्या महाविद्यालय
इंदौर, मध्यप्रदेश, भारत

शोध संक्षेप

विद्यालयों में विद्यार्थियों का नामांकन बढाने और उन्हें बनाये रखने के साथ बालकों के पोषण स्तर को सुधारने के लिए मध्यान्ह भोजन योजना प्रारम्भ की गयी। केंद्र सरकार द्वारा 15 अगस्त 1995 को यह योजना शुरू के गयी। इसके तहत स्कूली बच्चों को सभी कार्य दिवसों में मुफ्त भोजन प्रदान किया जाता है। इस योजना से एक ओर जहां बच्चों में कुपोषण की समस्या दूर करने में सहायता मिली है वहीं दूसरी ओर पाठशालाओं में उपस्थिति भी बढ़ी है। प्रस्तुत शोध पत्र में विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम शालाओं में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या में वृद्धि, नियमित उपस्थिति, जल्दी शाला छोड़ने की आदत को कम करने में अत्यन्त सहायक हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पारिवारिक स्थिति कमजोर होने के कारण विद्यार्थी शाला में खाली पेट आते है। शाला आने से पहले भोजन नहीं करने से विद्यार्थी कक्षा में एकाग्रचित नहीं हो पाते और सो जाते है। वे शिक्षा का समुचित लाभ नहीं ले पाते और अन्य विद्यार्थियों से पिछड़ जाते हैं। अतः ऐसे विद्यार्थियों के लिए मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम उपयोगी कार्यक्रम है। मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम वहाँ पर अत्यंत उपयोगी है जिन समुदायों में गरीबी व अज्ञानता के कारण उपेक्षित एवं कुपोषित बच्चों की संख्या अधिक पाई जाती है। मध्यान्ह भोजन के साथ-साथ सीखने की योग्यताओं में सुधार के लिए स्वच्छ पेयजल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ जैसे स्वास्थ्य परीक्षण, लौह तत्व की कमी दूर करना आदि के सहयोग से स्कूल के बच्चों की सीखने की क्षमता एवं योग्यता में काफी सुधार लाया जा सकता है।

उद्देश्य

1 मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर पर प्रभाव ज्ञात करना।

उपकल्पना

1 मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर पर सार्थक प्रभाव पडता होगा।

निर्देशन विधि

इस शोध कार्य के लिए न्यादर्श का चयन धार जिले से किया गया है। इस न्यादर्श का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा किया गया।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श हेतु धार जिले के कुल 03 चयनित विकासखण्डों से 5-5 प्राथमिक शालाओं का चयन किया। प्रत्येक शाला से 20-20 विद्यार्थी एवं उनके पालकों का चयन दैव न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। इस

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 सितम्बर 2016
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

प्रकार कुल 300 विद्यार्थी एवं उनके पालकों का चयन किया गया है।

उपकरण

उपकरणों का चयन शोध अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया। स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया।

धार जिले के विभिन्न विकासखण्डों में मध्यान्ह भोजन योजना का शिक्षा स्तर पर प्रभाव (प्रतिशत)

(पालकों की दृष्टि से)

विकासखण्ड	शिक्षा स्तर सुधरा	शिक्षा स्तर थोड़ा सुधरा	शिक्षा स्तर नहीं सुधरा	X^2 का मान	सार्थकता का स्तर
कुक्षी	65	25	10	48.50	0.01
मनावर	60	20	20	32.00	0.01
गंधवानी	39	44	17	19.82	0.01

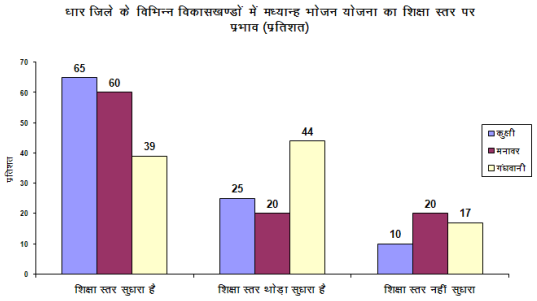

सांख्यिकीय विधि

संकलित तथ्यों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु प्रतिशत एवं काई वर्ग का प्रयोग किया गया है। तथ्यों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि धार जिले के विभिन्न विकासखण्डों मे मध्यान्ह भोजन योजना का शिक्षा स्तर पर जाँचने हेतु पालकों से प्राप्त अभिमत में प्राप्त परिणाम में कुक्षी विकासखण्ड का काई वर्ग का मान 48.50 है, मनावर विकासखण्ड का काई वर्ग का मान 32.00 है एवं गंधवानी विकासखण्ड का काई वर्ग का मान 19.82 है। तीनों विकासखण्ड 0.01 के स्तर पर सार्थक है। इस आधार पर हमारी उपकल्पना स्वीकृत पाई गई है।

निष्कर्ष

तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि पालकों की दृष्टि से कुक्षी व मनावर विकासखंड के विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के फलस्वरूप शिक्षा स्तर में 60 से 65 प्रतिशत सुधार हुआ है एवं 20 से 25 प्रतिशत थोड़ा सुधार हुआ है जबकि 10 से 20 प्रतिशत शिक्षा के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ है लेकिन गंधवानी विकासखंड के विद्यालयों में 44 प्रतिशत थोड़ा सुधार है एवं 17 प्रतिशत शिक्षा के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ। अतः तालिका से स्पष्ट होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना से धार जिले के विकासखंडों के विद्यालयों में शिक्षा के स्तर में सुधार हो रहा है।

संदर्भ ग्रंथ

1 अग्रवाल बी.बी., आधुनिक भारतीय शिक्षा, आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर, सं. (1995)

2 भाटिया के.के., आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ, लुधियाना : प्रकाश ब्रदर्स, पुस्तक बाजार, सं. (1980)

3 डाँगी बलवंत सिंह, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम मार्गदर्शिका, इंदौर :चराटे पब्लिशिंग हाऊस, सं. (2012)।

4 सिंह डॉ. रामपाल, भारत में शिक्षा के बदलते आयाम, प्रतियोगिता दर्पण, अक्टूबर (2008), पृष्ठ-22।

5 सिंह गायत्री, पोषण शिक्षा एवं योजनाएँ, योजना : सितम्बर (2005), पृष्ठ-7।

6 मध्यान्ह भोजन योजनाओं के बारे में शिक्षा विभाग से जानकारी

7 www.cedmapindia.org.

8 www.mp.gov.in/educationportal.

9 www.educationportal.mp.gov.in.

10 www.m.d.m.dhar.in

11 अग्रवाल डॉ. उमेशचंद्र, बच्चों के मौलिक अधिकार एवं क्रियान्वयन की चुनौतियाँ, प्रतियोगिता दर्पण : फरवरी (2007), पृष्ठ 116-118

12 आहुजा लाजपत, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम का विस्तार, मध्यप्रदेश संदेश : अंक 4, अप्रैल (2007), पृ. 13

13 चौधरी रेणुका, बाल विकास के प्रति वचनबद्धता, योजना : नम्बर (2006), पृष्ठ-9।